मैथिली (अनिवार्य भाषा)
प्रतिष्ठा

Part - II

Page No.: 1
Date : 04.08.2020

Lecture No - 12
Unit - 06

डॉ० अरविन्द झा
सहायक प्राध्यापक
मैथिली विभाग
मारवाड़ी महाविद्यालय
दरभंगा
मो० - 9040201409

निबन्ध लेखन
मिथिला भाषा रामायण
- चन्दा झा

मानवक सबसँ उत्कृष्ट कार्य अछि पोथी पढ़ब। ताहु मे धार्मिक पुस्तक पढ़ब आर उत्कृष्ट। ओना अपन-अपन रुचि होइत छैक ककरो पौराणिक कथा पढ़बा मे नीक लगैत छैक तऽ ककरो वैज्ञानिक रचना पढ़बा मे ककरो आर किछु, मुदा सब के कोनो ने कोनो विधि नीक लगिते छैक। मैथिली साहित्य महान चन्दा झा द्वारा रचित रामायण थिक जे मिथिला जन के नीक लगैत छथि। ई धार्मिक रंग-संग पौराणिक कथा के ओहि सूत्रक सामाजिक तत्व के आओर विभिन्न विषय के जे ओहि समय मे छल तकर

चलचित्र उपस्थित करैत अछि।

मैथिली साहित्य मध्य कवीश्वर चन्दाझाक मिथिला भाषा रामायण प्रथम महाकाव्य थिक। डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' अपन 'मैथिली साहित्यक इतिहास' मे एहि प्रसंग लिखने छथि — 'चन्दा झा' प्रबन्ध काव्य रचबामे पारंगत पटु सिद्ध भेल छथि। एहि मे ओ अपन कवित्व शक्तिके चरम सीमा पर पहुँचा देने छथि। मिथिला मे ई काव्य ओहिना प्रसिद्ध भेल जेना तुलसी दास कृत 'रामायण'। तुलसीदास जकाँ हिनक रामायण सेहो जन सुलभ भाषा मे लिखल गेल अछि।

चन्दा झा अपन रामायण मध्य राम के अवतार मानि चतुर्भुज विष्णुक रूप मानने छथि। रामक विवाह मिथिला मे भेल। सीता ठकुरा जन मानस के हिनक आदर्श सती आकृष्ट करैत अछि। मिथिलाक वर्णन करैत चन्दा झा अपन मातृभूमि प्रेम के प्रदर्शित करत लिखैत छथि —

" विदित दिव्य नगरी मिथिला आबि गेला।
देखैत जाए नगर लक्ष्मण दुहुन भेला।
बिच दिव्य फूल-फल वृक्ष अनन्त धाम।
पक्षी किल कूजन करैत अछि रहय गाम।

सँ जानकी मिथिलाक बेटी
छथि। हुनक परिचय देल हुनक उहे
ई उर्मिलाक वर्णन करैत छथि—

'जनक जनक जननि अवनि,
रघुनन्दन प्राणेश।
देवर लक्ष्मण हमर छथि,
नैहर मिथिला देश॥'

जखन रावण सिताक हरण
कए लंका लए जाइत अछि तखन
सिताक मनोवेदना के वर्णन करैत
कवि हुनक करुणा आ आत्म-प्रान
हुनक मनोदशाक वर्णन करैत
लिखैत छथि—

"हा रघुनाथ अनाथ जकाँ
दशकण्ठपुरी हम आइलि छी।
सिंहक ग्रास मनभावन
हिरणीक समान डेराइल छी॥
चन्द्र चकोरि अहाँसक सङ्ग।
हम शोक समुद्र समाइलि छी।
देवर दोष कहू हम की
अपना अपराध कँ कानइलि छी॥"

कवीश्वर चन्दा झा अहिल्या
चरित के संग मैथिली रामायण गुनक
कुसुमक मालाक के बैकनीक चरित
जकाँ उद्धार कएलनि अछि।
मैथिली साहित्य मध्य गद्यक
प्रथम प्रयोग चन्दा झा कएलनि। हिनक
रामायण भारतवर्ष मे अलौकिक कृति
अछि जे सदैव मैथिलीक मान बढ़बैत रहत।

डॉ० अरविन्द-कुमार